CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-171
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

जीवन का महत्व तभी है जब वह किसी महान ध्येय के लिए समर्पित हो। यह समर्पण ज्ञान और न्याययुक्त हो

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, गुरुवार 26 सितम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

JDU सांसद और BJP विधायक पर बरसे गोपाल मंडल

मोदी-नीतीश के नाम पर जीत जाते हैं, फिर 5 साल ढोलक बजाते रहिए

भागलपुर, हमेशा अपने बयानों से सुर्खियों में बने रहने वाले भागलपुर के गोपालपुर से जेडीयू विधायक गोपाल मंडल ने बुधवार को अपनी ही पार्टी के सांसद और भाजपा के विधायक के खिलाफ जमकर हमला बोला। विधायक ने भागलपुर से जेडीयू सांसद अजय मंडल की आलोचना करते हुए कहा कि जीतने के बाद सांसद कहीं नहीं जाते है। यह उनकी बीमारी और लाचारी है। वह सोचता है जनता भांड़ में जाए। उसको जनता से कोई मतलब नहीं है। पांच साल तक जनता ढोलक पीटते रहे। उस पर कोई फ़र्क नहीं पड़ता।

चुनाव बाद क्षेत्र में दिखाई नहीं देते सांसद गोपाल मंडल ने कहा कि पांच साल बाद अगले चुनाव में वह फिर से नीतीश कुमार और पीएम मोदी के नाम पर चुनाव जीत जाएगा और फिर 5 साल उसका दर्शन नहीं होगा। गोपाल मंडल ने कहा कि अजय मंडल जब विधानसभा का भी चुनाव लड़ते थे कहीं नहीं जाते थे। एक बार बैरिया में गए थे। लोगों ने उस पर ईंट-पत्थर बरसाया था। बस वहां से भाग गया था। इसके बाद हम सांसद से माफी मंगवाये थे। हम सामाजिक आदमी हैं।

सांसद को इलाके के लोग पहचानते तक नहीं: मंडल गोपाल मंडल ने कहा कि जेडीयू सांसद को इलाके के लोग नहीं पहचानते। चुनाव में लोग पूछते थे आप कौन हैं। वह पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार के नाम पर चुनाव जीत गए। पिछले चुनाव में एक लाख वोट से जीते थे। इस बार हम गोपालपुर में 40 हजार वोट की बढ़त दिलवाए। इसी बढ़त से वह चुनाव जीत गए। अब जनता की सुनने वाला कोई नहीं है। अब फिर से पांच साल के बाद वह जनता के बीच जाएगा। उसका जनता से कोई नाता नहीं है।

बीजेपी विधायक पर भी साधा निशाना जेडीयू विधायक ने कहा कि बिहपुर के बीजेपी विधायक इंजीनियर शैलेंद्र के प्रति भी जनता में आक्रोश है। विधायक शैलेंद्र के पास ही सिर्फ कलम है। क्या या हम लोग मूर्ख हैं। हम ग्रेजुएट किये हैं। वो इसबार कलम में ही चला जायेगा। कलम का ही बन जायेगा। विधायक इंजीनियर शैलेंद्र बैकवर्ड फॉरवर्ड की राजनीति करते हैं। बता दें कि जेडीयू विधायक गोपाल मंडल और सांसद अजय मंडल के बीच पिछले कई महीने से वार-पलटवार चल रहा है। गोपाल मंडल इससे पहले भी सांसद पर कई तरह के आरोप लगा चुके हैं।

बिहार के भागलपुर में देखते ही देखते गंगा में समा गए कई घर

भागलपुर, बिहार के भागलपुर में भारी बारिश से गंगा नदी उफान पर है। बाढ़ का पानी गंगा के किनारे स्थिति बने घरों तक पहुंच गया है। इस बीच भागलपुर से हैरान कर देने वाली खबर सामने आयी है। गंगा किनारे बने कई देखते-देखते ही नदी में समा गए। नदी की धारा तेज होने के कारण नदी किनारे के घर बह गए। बाढ़ का पानी राष्ट्रीय राजमार्ग 80 के कुछ हिस्सों में भी भर गया है, गिरे हुए पेड़ों के कारण प्रमुख मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं और और अधिक व्यवधान उत्पन्न हुआ है।

कई मकान गंगा नदी में समा गए बताया जा रहा है कि भागलपुर के सबौर प्रखंड के मसाडू गांव का अस्तित्व अब खत्म होने के कगार पर है। गांव के 30त्न घर गंगा में विलीन हो चुके हैं। जबकि और 30त्न घर गंगा के मुहाने पर है। अगले 24 घंटे के अंदर आशंका जताया जा रहा है कि 10 से अधिक घर गंगा में विलीन हो जाएंगे। मंगलवार को महज 10 मिनट में तीन पक्का मकान गंगा में विलीन हो गया। देखते-देखते पीड़ितों के

जिंदगी भर के पसीने आंसू में तब्दील हो गए।

इन लोगों के घर नदी में समाए यह तीनों घर अलग-अलग परिवार के है जिसमें राजेंद्र मंडल, नागेश्वर मंडल और श्याम सुंदर मंडल शामिल हैं। यह सभी कोई मजदूरी करता है तो कोई पशुपालन कर अपना घर का भरण पोषण करता है। पेट काटकर आशियाना बनाया था। लेकिन गंगा के घटते जलस्तर में कटाव भयावह और तेज हो गया और पीड़ितों के सपनों को बहा ले जा रहा है। अभी इलाके के लोगों में खौफ है। लोगों ने भय ही की कभी भी उसका घर गंगा में समा सकते है। अब तक की कटाव में 500 फीट जमीन गंगा में बह गया है। 50 से अधिक घर गंगा में विलीन हो चुके है। सरकारी भवन से लेकर आंगनबाड़ी केंद्र जल मीनार सब कुछ गंगा के आगोश में समा चुका है।

एक सप्ताह में 10 घर गंगा में समाए स्थानीय आर्यन बताते हैं कि 10 मिनट में तीन पक्का घर गंगा के आगोश में चला गया। अभी गंगा के मुहाने पर 10 से अधिक घर है। कभी और कभी का भी घर गंगा में विलीन हो सकता है। पिछले एक सप्ताह में 10 से अधिक घर गंगा में विलीन हो चुका है। 500 फीट जमीन का हिस्सा गंगा में समा चुका है। गांव का अस्तित्व खतरे में है। मसाडू गांव 30त्न खत्म हो चुका है। 70त्न बाकी है। उसमें भी 30त्न गंगा के मुहाने पर है। जो अगले 24 घंटे में खत्म हो जाएगा। आगे बताते हैं कि जल संसाधन विभाग पिछले एक सप्ताह से यहां काम नहीं कर रहे हैं। अगर समय रहते कटावरोधी कार्य होता तो शायद पीड़ितों के आंखों में आंसू नहीं होती और आशियाना गंगा में नहीं समाता।

गंगा नदी ने दिखाया रौद्र रुप बता दें कि बिहार के कई जिलों में भारी बारिश हुई है। भागलपुर में गंगा नदी का रौद्र रुप देखा जा रहा है। भागलपुर में गंगा का जलस्तर घट रहा है। लेकिन कटाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। गंगा नदी का जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से लगभग 1.5 मीटर ऊपर है, जिससे बाढ़ का खतरा बना हुआ है। आपातकालीन टीमें प्रभावित लोगों की सहायता के लिए प्रयास जारी रख रही हैं।

बिहार में डूब गए 49 लोग

41 लोगों की हुई मौत, जितिया व्रत पर नहाने के दौरान हादसा

पटना: पूरे देशभर में बुधवार को जितिया व्रत मनाया गया. इस दौरान महिलाओं ने गंगा सहित अलग-अलग नदियों में डुबकी भी लगाया. हालांकि बिहार के लिए बुधवार काफी भारी रहा. जितिया पर्व को लेकर गंगा नदी में स्नान करने गए लोगों में समूचे राज्य में 49 लोग डूब गए, जिसमें से 41 लोगों की मौत हो गई. औरंगाबाद जिले के अलग-अलग जगहों में तालाब में नहाने के दौरान 8 की मौत हो गई, जिसमें दो महिलाएं और 6 बच्ची शामिल हैं. यह घटना जिले के बारुण प्रखंड के इटहट गांव और मदनपुर प्रखंड के कुशा गांव की है.

कैमूर में पांच लोगों की डूबने से मौत हो गई बताया गया कि ये सभी लोग जिउतिया पर्व पर पूजा से पहले तालाब में नहाने गए थे. वहीं सारण जिले में भी अपनी मां व अन्य परिजनों के साथ स्नान करने गए पांच बच्चों की डूबने से मौत हो गई. यह घटनाएं अलग-अलग क्षेत्रों की हैं. वहीं कैमूर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में जितिया पर्व पर स्नान के दौरान नदी व तालाब में डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई. एक घटना जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र की है. वहीं दूसरी घटना दुर्गावती थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव की है, तीसरी घटना मोहनिया थाना क्षेत्र के ग्राम दादर की है. चौथी घटना भभुआ प्रखंड के रूपपुर गांव की है.

मोतिहारी में पांच लोगों की डूबने से मौत वहीं रोहतास जिले के डिहरी पाली पुल के पास सोन नदी में स्नान करने के दौरान एक 13 साल के बच्चे की मौत हो गई. मोतिहारी जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बृन्दावन परसौनी में मां और बेटी सहित दो अन्य बच्चों की डूबने से मौत हो गई. वहीं जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई.

बिहचा में बच्ची को बचान में 3 और लोग डूबे वहीं राजधानी पटना के बिहटा थाना क्षेत्र के अमनाबाद हलकोरिया चक गांव के सोन नदी के घाट पर बुधवार की शाम जितिया पर्व पर सोन नदी में नहाने गयी मां के साथ 14 वर्षीय बच्ची की डूबकर मौत हो गयी. जबकि पास में नहा रही गांव के ही एक महिला व दो युवतियां उसे बचाने के लिए नदी के तेज धारा में छलांग लगा दीं. लेकिन तेज धारा होने के कारण बच्ची में समेत चारों लोग डूब गये. डूबने की खबर मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया.

लापता महिलाओं की तलाश जारी इसके साथ ही नदी के किनारे लोगो का भारी भीड़ जमा हो गया. किसी तरह से गांव के लोगों ने नदी में छलांग लगा कर कड़ी मशक्कत के बाद उसे निकाल कर गांव के ही निजी अस्पताल में ले गये लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक की पहचान अमनाबाद गांव के हलखोरिया चक निवासी शिवनारायण राय की पुत्री अंजली कुमारी के रूप में हुई है.जबकि अन्य लापता लोगों में ललिता देवी, सोनी कुमारी, तरेगनी कुमारी शामिल है. अभी भी तीन लापता हैं.

तीन साल की मासूम से स्कूल में दुष्कर्म

शिक्षक पर दरिंदगी करने का आरोप; विरोध में जमकर बवाल

छपरा, छपरा के भगवान बाजार थाना क्षेत्र स्थित एक प्राइवेट स्कूल में तीन साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है। इस दरिंदगी को किसी और ने नहीं बल्कि उसके शिक्षक ने अंजाम दिया है। परिजन जब पुलिस से न्याय की गुहार लगाने पहुंचे तो प्राथमिकी दर्ज नहीं की। इससे आक्रोशित होकर लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। देर रात सारण एसपी डॉ. कुमार आशीष के घर घेराव करने पहंच गए। पुलिस ने बल प्रयोग किया तो लोग आक्रोशित हो गए और थाने को घेर लिया। इसके बाद वरीय अधिकारियों ने लोगों को आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया।

गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही इस संबंध में सदर एसडीपीओ राज किशोर सिंह ने बताया कि आरोपित की पहचान कर ली गई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि बच्ची का मेडिकल जांच कराया जा रहा है और फॉरेंसिक लैब की टीम भी इसकी जांच कर रही है। फिलहाल स्थिति को नियंत्रित करने में पुलिस लगी हुई है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी भी कर रही है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस के आला अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे सीडीपीओ राजकिशोर सिंह ने बताया कि विद्यालय में बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना हुई है और बच्ची के निशानदेही पर आरोपी शिक्षक के गिरफ्तारी के लिए टीम को लगा दिया गया है शीघ्र ही आरोपी की गिरफ्तारी होगी।

किसी को कुछ बताने से परहेज कर रहे थे स्थानीय लोगों का कहना है कि लगभग एक सप्ताह पहले निजी स्कूल में पढ़ने वाली तीन साल की बच्ची के साथ वहां के शिक्षक द्वारा दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। इसको लेकर बच्ची जब अपने घर पहुंची तो लोकलाज की डर से परिवारवाले किसी को कुछ बताने से परहेज कर रहे थे। लेकिन जब बच्ची के प्राइवेट पार्ट में जख्म होने कारण ब्लीडिंग नहीं रुक रही थी। तब जाकर परिवार के लोग अंततः पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने जब केस लेने से इनकार किया तो लोगों ने जमकर हंगामा किया।

पटना में चोरी के आरोप में 2 युवकों की पिटाई

इलाज के दौरान तोड़ा दम ; चार अरेस्ट

पटना, बिहार की राजधानी पटना में दो लोगों की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई है। दोनों ही युवकों पर चोरी करने के प्रयास का आरोप लगाया गया। इसके बाद इनकी इतनी पिटाई की गई है कि इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई। इस वारदात से पुलिस महकमे में हड़कंप है। बताया जा रहा है कि दीघा थाना क्षेत्र के पोल्सन रोड में ट्रांसफार्मर मरम्मत करने वाले दुकान में चोरी के प्रयास में दो लोगों की दुकान मालिक और उनके स्टाफ द्वारा मारपीट कर गम्भीर रुप से जख्मी कर दिया गया। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस दोनों घायलों को इलाज के लिए दानापुर अस्पताल ले ले गई। इलाज के क्रम में दोनों की मौत हो गई। घटना में शामिल दुकान मालिक सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मृतकों की पहचान राकेश राय और रोहित साह के रूप में हुई है। राकेश दीघा थाने से पूर्व में मोबाइल चोरी में जेल जा चुका है। रोहित साह के आपराधिक इतिहास के संबंध में बुद्धा कालोनी थाना पुलिस से सम्पर्क किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक लॉ एंड ऑर्डर, दिनेश पांडे ने कहा मारपीट करने वाले दुकान मालिक और स्टाफ को पुलिस सर्वेक्षण में लिया गया है। इलाज के क्रम में गंभीर रूप से जख्मी दोनों युवकों की दानापुर अनुमंडलीय अस्पताल में मौत हो गई।

भारत-पाक बंटवारे में मृत 3 सौ पूर्वजों का श्राद्ध

कश्मीर के राजकुमार शर्मा ने किया पिंडदान

विष्णुनगरी गया में चल रहे पितृपक्ष मेला-2024 में देश के कोने-कोने से तीर्थयात्री आकर पिंडदान कर रहे हैं। प्रतिदिन हजारों लोग पिंडदान कर पूर्वजों के मोक्ष की कामना कर रहे हैं। इन्हीं हजारों पिंडदानियों के बीच एक दंपती भारत-पाकिस्तान बंटवारे के हिंसा में मारे गए अपने 300 पूर्वजों के लिए गयाश्राद्ध किया गया। जम्मू-कश्मीर के रजौरी बॉर्डर पर डुंगी बरमना गांव के राजकुमार गयाधाम में सात दिन रहकर पत्नी सत्या देवी के साथ पिंडदान, श्राद्ध और तर्पण किया। फल्गु से शुरू होकर अक्षयवट में गयाश्राद्ध संपन्न किया।

पाकिस्तान के सुहाना में जन्म हुआ, जम्मू-कश्मीर के रजौरी में कट रही जिंदगी राजकुमार शर्मा ने बताया कि उनका जन्म बंटवारा से पाकिस्तान के सुहाना में हुआ। हिंसा के वक्त वे करीब दो साल के रहे होंगे। बटवारा होते ही पाकिस्तान में रहने वाले उनके तीन गोत्र के 300 रिश्तेदारों की हत्या कर दी गई थी। जवान लड़कों को मार दिया गया। सिर्फ बूढ़े और बच्चे छूटे थे। उन बच्चों में मैं भी था। जो परिजन बचे थे, वह किसी तरह मुझे साथ लेकर रजौरी डूंगी बरमना इंडिया बॉर्डर पर लेकर आए। तब से वहीं रह रहा हूं। बताया कि इससे पहले 1991 व 2001 में भी यहां आ चुका हूं। सालों मेहनत कर सभी पूर्वजों का रिकॉर्ड खंगाला। जब सभी पूर्वजों के नाम मिल गए तो 23 बाद इस पितृपक्ष गयाधाम आकर पिंडदान किया। श्री शर्मा ने बताया कि छह दिन पहले पत्नी और रिश्तेदार के साथ गयाजी आए। सात दिनों तक सभी पूर्वजों के नाम लेकर उन्हें याद कर गयाश्राद्ध कर सभी के मोक्ष की कामना की। बुधवार को अक्षयवट में सुफल लेने के बाद वापस लौट जाऊंगा।

तीन गोत्र के तीन सौ पूर्वजों के मोक्ष के लिए सात दिनों तक पिंडदान राजकुमार शर्मा अपने साथ तीन गौत्र के करीब 300 पूर्वजों का लिस्ट लेकर गया आए। रेवेन्यू रिकॉर्ड, जमीनी रिकॉर्ड से, हरिद्वार और गया के पुरोहित की मदद से पूर्वजों के नाम खोजे हैं। शर्मा ने बताया कि भारत-पाकिस्तान बंटवारा के हुई हिंसा में मारे गए पूर्वजों का लिस्ट है। बताया कि उस वक्त की हिंसा में बच्चे और बूढ़े को छोड़ दिया गया था। मात्र 10 फीसदी हिन्दू ही बचे थे। श्री शर्मा ने बताया कि पूर्वजों के ऋण चुकाने के लिए गयाधाम आया। सात दिनों रुक-रुक विभिन्न वेदियों पर पिंडदान कर पिता व दादा सहित अन्य पूर्वजों के मोक्ष की कामना की। बताया कि उनकी पत्नी सत्या देवी व दो-तीन अन्य रिश्तेदार भी साथ आए हैं। रिश्तेदारों ने भी हमारी तरह अपने कुल के लिए पिंडदान किया। रिफ्यूजी कैंप में स्वाभाविक मौत वालों के लिए भी पिंडदान किया गया।

आयकर विभाग ने बिहार में मजदूर को भेजा

2 करोड़ रुपये का नोटिस, मचा हड़कंप

बिहार में एक मजदूर को 2 करोड़ का नोटिस आयकर विभाग की तरफ से मिला है। मजदूर को इंकम टैक्स का नोटिस मिलने के बाद से हड़कंप मचा हुआ है। राज्य के गया जिले में रोज कमाने-खाने वाले को आयकर विभाग ने दो करोड़ का नोटिस दिया है। आईटी के नोटिस मिलने के बाद से मजदूर बेहद परेशान और सहमा है। दूसरी ओर एक मजदूर को 2 करोड़ 3 हजार 308 रुपये का टैक्स नोटिस मिलने की बात पर लोग अचंभित हैं।

यह मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के नई गोदाम मोहल्ले का है। मोहल्ले के मजदूर राजीव कुमार वर्मा को आयकर विभाग ने नोटिस भेजा है। राजीव वर्मा ने बताया कि 2015 में शहर के कॉरपोरेशन बैंक में 2 लाख रुपये फिक्स डिपॉजिट कराया था, लेकिन मैच्योरिटी के पहले ही अगस्त 2016 में रुपये निकाल लिये। बाद में मजदूरी करने लगा। इस बीच अचानक आयकर विभाग ने 2 करोड़ 3 हजार 308 रुपये का टैक्स नोटिस भेज दिया। नोटिस में बताया गया है कि वर्ष 2015-16 में 2 करोड़ के फिक्स डिपॉजिट का रिटर्न फाइल नहीं किया गया है। टैक्स की राशि भी जमा नहीं की गई है। आयकर विभाग के अधिकारी ने बताया कि बैंक की ओर से राशि का आंकड़ा गलत लोड हो जाने के कारण दो लाख दो करोड़ में बदल गया होगा। ऐसा नहीं होगा तो फिर दो करोड़ का मामला सही है। नोटिस के बाद राजीव वर्मा को आयकर विभाग कार्यालय से संपर्क करना चाहिए था। बताया कि अब उन्हें पटना आयकर विभाग के कार्यालय में नोटिस के विरुद्ध अपील में जाना होगा। अपील में जाने के बाद अपना बैंक ट्रांजेक्शन दिखाना होगा। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई होगी। अगर ट्रांजेक्शन में दो करोड़ नहीं दिखाया तो मामला शून्य हो जाएगा।